शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव

(संस्कृत विभाग)

विभागीय प्रतिवेदन

(सत्र–2014–15)

वार्षिकोत्सव में संस्कृत नाटक की प्रस्तुति को देखा मुख्यमंत्री महोदय सहित अन्य अतिथियों ने

डॉ. शंकर मुनि राय
विभागीय प्रभारी

1. विभाग का परिचय :

- स्थापना वर्ष : स्नातक–1957
  स्नातकोत्तर–2003
- स्वीकृत पद : प्राध्यापक–01
  सहायक प्राध्यापक–2

सत्र–2014–15

- विद्यार्थियों की संख्या : स्नातक–103
  स्नातकोत्तर–55
- गत वर्ष (सत्र–2013–14) का परीक्षाफल 100%
- विभागीय प्रभारी : डॉ. शंकर मुनि राय
- अतिथि व्याख्याता : 1. डॉ. बालकराम चौकसे
  2. कुमारी डालेश्वरी साहू

जनभागीदारी व्याख्याता : श्री निरंजन ठाकुर

2. स्नातक एवं स्नातकोत्तर परिषद

- **संस्कृत साहित्य परिषद का गठनः**

प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह की अध्यक्षता में प्रावीण्य सूची के आधार पर संस्कृत साहित्य परिषद का गठन निम्नानुसार किया गया–

अध्यक्ष – श्री यदेश्वर कुमार लोधी (स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष)

उपाध्यक्ष – श्री नेमीचंद वर्मा (स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष)

सचिव – कु. भारती कंवर (स्नातकोत्तर पूर्व)

सहसचिव – कु. खिलेश्वरी साहू (स्नातकोत्तर पूर्व)

परिषद के उद्‌घाटन अवसर पर डॉ. गणेश कौशिक (मुख्यअतिथि) और मा.श्री अशोक चौधरी जी,

कार्यकारी सदस्य : कु. सुभिया वर्मा, कु शिखा मिश्रा, कु. सपना शर्मा, कु. अंजू पाल, कु. सीमा गायकवाड, कु. गोल्डी रानी, कु. सुमित्रा गुप्ता, श्री दीपक साहू, श्री भीषम लाल, श्री शिवकुमार, श्री माधव मोहन ।

- **पालक सम्मेलन** – दिनांक 25.11.2014 को प्राचार्य महोदय की अध्यक्षता में विभागीय पालकों की बैठक आयोजित हुई जिसमें 7 विद्यार्थियों के पालकों ने महाविद्यालय में संस्कृत माध्यम से हो रहे अध्यापन कार्य की सराहना की।

3. सीपी.ई योजना के अन्तर्गत किये गये आयोजन :

- संस्कृत सप्ताह के अन्तर्गत महाविद्यालय परिसर स्थित श्रीगणेष मंदिर, श्री राधाकृष्ण मंदिर और श्री हनुमान मंदिर में सामूहिक पूजा की गई।
- नगर में शोभा यात्रा निकाल कर माानव मंदिर चौक स्थित श्री गणेश मंरिद में सामूहिक पूजा की गई।
- नगर के सर्वेश्वर दयाल उच्चतर महाविद्यालय एवं वेसलियन स्कूल में

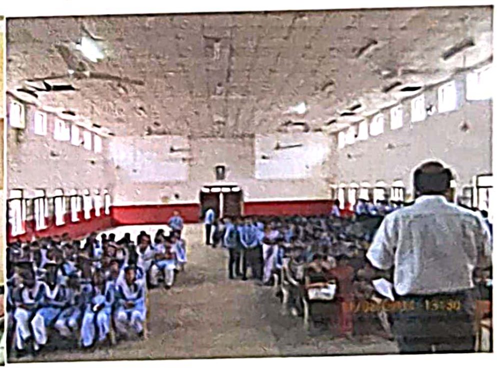

एक–एक दिन संस्कृत व्याख्यान एवं वैदिक पूजा विधि की जानकारी दी गई।

- डॉ. सुमनसिंह बघेल, प्राचार्य विज्ञान महाविद्यालय की अध्यक्षता एवं श्री सुरेश एच लाल के मुख्य आतिथ्य में संस्कृत सप्ताह का समापन हुआ,

जिसमें इंरिदा कला संगीत विश्वविद्यालय के कलाकारों नें संस्कृत गीतों की प्रस्तुति दी।

- संस्कृत लैब को आकर्षक बनाने के उद्‌देश्य से संस्कृत भाषा और साहित्य के महत्व को दशर्ानेवाले 100 नग पोस्टर की फ्रेमिंग कराई गई।

4. विस्तार गतिविधियां (विशेष कर गोद ग्राम के सम्बन्ध में)

- गोद ग्राम डिलापहारी में 31.1.2015 को स्थानीय स्कूल में विभाग के 20 छात्र–छात्राओं द्वारा अध्यापन कार्य किया गया।

5. 15 दिवसीय संस्कृत संभाषण शिविर का आयोजन किया गया।

6. कमजोर छात्रों एवं मेधावी छात्रो के लिये किये गये प्रयास–

- विगत वर्ष के प्रश्नपत्रों को हल कराया गया तथा तथा विभाग के 38 स्नातकोत्तर तथा 85 स्नातक छात्र–छात्राओं को रिमेडियल कोचिंग दी गई।

कमजोर छात्रों के लिए विशेष कोचिंग

- श्री निरंजन ठाकुर द्वारा स्नातकोत्तर पूर्व के प्रश्नपत्र एक, दो एवं तीन तथा स्नातकोत्तर अंतिम के प्रश्नपत्र–एक को हल कराया गया। कु. डालेश्वरी साहू द्वारा स्नातक अंतिम वर्ष स्नातकोत्तर पूर्व के प्रश्नपत्र चार एवं पांच तथा स्नातकोत्तर अंतिम के प्रश्नपत्र–तीन एवं पांच को हल कराया गया। श्री बालकराम चौकसे द्वारा स्नातक भाग–एक एव दो प्रश्नपत्र एवं स्नातकोत्तर अंतिम के प्रश्नपत्र छः चार को हल कराया गया।

7. रिमेडियल कक्षाओं का आयोजन

- श्री निरंजन ठाकुर द्वारा प्रथम् वर्ष, द्वितीय वर्ष स्नातकोत्तर पूर्व के एवं स्नातकोत्तर अंतिम के एस.टी एस.सी के छात्रो को अध्ययन कराया गया।
- कु. डालेश्वरी साहू द्वारा स्नातक अंतिम वर्ष, स्नातकोत्तर पूर्व के एवं स्नातकोत्तर अंतिम के एस.टीएस.सी के छात्रो को अध्ययन कराया गया।
- श्री बालकराम चौकसे द्वारा स्नातक प्रथम् वर्ष, द्वितीय वर्ष के स्नातकोत्तर पूर्व के एवं स्नातकोत्तर अंतिम के एस.टीएस.सी के छात्रो को अध्ययन कराया गया।

8. स्नातक स्तर पर विशेषकर स्नातक प्रथम वर्ष के परीक्षा परिणाम में सुधार हेतु किए गए प्रयास की जानकारी।

- विगत वर्ष के प्रश्नपत्रों को हल कराया गया तथा लिखित सामाग्री प्रश्नोत्तर प्रदान किया गया।

9. नेट/स्लेट की कोचिंग तथा स्नातकोत्तर कक्षा के कितने प्रतिशत छात्रों ने परीक्षा में भाग लिया। उत्तीर्ण का प्रतिशत

- छात्रों की संख्या : **05**
- उत्तीर्ण का प्रतिशत : **शून्य**

10. विभाग स्तर पर विभिन्न प्रतियोगी परिक्षाओं के तैयारी, जानकारी प्रदाय करने के लिए किए गए प्रयास।

- नेट/स्लेट परीक्षा 2015 के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया।

11. विभाग के कितने छात्रो को इस वर्ष रोजगार प्राप्त हुआ, उसकी सूची।

12. विभाग का शैक्षणिक रिकार्ड।

———निरंक—————

13. राष्ट्रीय स्वछता मिशन में विभाग का योगदान।

- प्रत्येक शनिवार विभाग के प्राध्यापक एवं छात्रों द्वारा विभागीय सफाई एवं जिला प्रशासन द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं मे सहभागिता।

14. महाविद्यालय विकास एवं प्रबंधन में विभाग के प्राध्यापकों का योगदान (व्यक्तिगत योगदान सहित)

- छात्रसंघ चूनाव, प्रवेश समिति, स्वच्छता मिशन, वार्षिकोत्सव आयोजित प्रतियोगताओं में निर्णायक के रूप में योगदान दिया गया।

15. महाविद्यालय द्वारा संचालित फ्री संस्कृत कोचिंग एवं Entry in Service में आपके विभाग के कितने विद्यार्थियों ने भागीदारी दी, कक्षावार संख्या देवें।

- 15 दिवसीय संस्कृत संभाषण शिविर का आयोजन
  स्नातकोत्तर पूर्व : 18
  स्नातकोत्तर अंतिम : 17
- Entry in Service
  स्नातकोत्तर अंतिम : 04

16. महाविद्यालय की प्रज्ञा – पत्रिका में आपके विभाग द्वारा कितनी रचनाएं दी गयी। ————————निरंक——

17. स्नातकोत्तर स्तर पर शोध के लिये किए गए आपके प्रयास एवं उपलब्धियां।

—————————निरंक——————

18. आपके विभाग के प्राध्यापकों का अन्य संस्थाओं के साथ Colleboration की जानकारी। ——————————निरंक————————

18 आपके विभाग के कितने विद्यार्थियों ने खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों, साहित्यिक गतिविधियों एवं अन्य गतिविधियों में भागीदारी संख्या एवं उपलब्धियों का उल्लेख करें।

महाविद्यालय के इतिहास मे पहली बार संस्कृत विभाग के विद्यार्थियों द्वारा संस्कृत नाटक प्रस्तुत किया गया।

19. **नवाचार–** दैनिक जीवन में संस्कृत के बढ़ते महत्व को ध्यान में रखकर इस सत्र में गीता के बारहवें अध्याय को स्नातकोत्तर के पाठ्यक्रम में शामिल किया गया। साथ ही स्नातकोत्तर स्तर पर अध्ययन–अध्यापन तथा परीक्षा का माध्यम संस्कृत को अनिवार्य किया गया।

20. विभाग द्वारा गीता के बारहवें अध्याय को संपूर्ण याद कराकर प्रतियोगिता कराई गई, जिसमें पूरे अध्याय को मुखाग्र सुनाने वाले एक छात्र और एक छात्रा को नगद राशि प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया।

गीता जंयती का आयोजन एवं पुरस्कार वितरण समारोह

शैक्षणिक भ्रमण : राजीम,जतमाई और गाटारानी की यात्रा

संस्कृति सप्ताह में स्थानीय सर्वेश्वर दयाल स्कूल में संस्कृति महत्त्व पर व्याख्यान

सबने ली स्वच्छता की शपथ

महात्मा गांधी की 145वीं जयंती को स्वच्छता अभियान के रूप में मनाने उत्साह दिखा। जिले में स्कूल, दफ्तर, वार्ड व पंचायत स्तर के अलावा अन्य जगहों पर अभियान को लेकर शपथ ली गई और इस अभियान से लोगों को जुड़ने आग्रह किया गया।

स्वच्छ भारत, समृद्ध भारत

पत्रिका स्वच्छ शहर चमकेगा इंडिया

सीईओ ने साइकिल चलाकर दिया संदेश

दिग्विजय कॉलेज में मनाई गई जयंती

अभियान के तहत यह नजारा देखने मिला

गौरीनगर स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम

समूह की महिलाओं ने स्वच्छता पर दिया जोर

'संस्कृत है हमारी संस्कृति की भाषा'

क्रांतिकारी संकेत 20.8.2014

संस्कृत सप्ताह का समापन

राजनांदगांव। दिग्विजय महाविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित संस्कृत सप्ताह का समापन यहां के बख्शी सभागृह में गरिमामय साहित्यिक आयोजन के साथ हुआ। सामूहिक वैदिक मंत्रोचार और सांगितिक माहौल में संस्कृत विभाग के विद्यार्थियों ने संस्कृत के महत्व को संस्कारिक ढंग से प्रदर्शित किया। समाजसेवी सुरेश एच लाल के मुख्य आतिथ्य और विज्ञान महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती सुमनसिंह बघेल की अध्यक्षता में सम्पन्न इस समारोह में विंद्यार्थियों द्वारा वेदपूजा, गणेशपूजा सहित शास्त्रार्थ का आयोजन किया गया। विशिष्ट अतिथि डॉ. सुषमा तिवारी, बंशीधर द्विवेदी, राकेश वर्मा और डॉ. देवनारायण साहू थे। इस अवसर पर बोलते हुए मुख्य अतिथि सुरेश एच लाल ने कहा कि संस्कृत इस देश की वह भाषा है, जिसको पढ़े बिना भारत की संस्कृति को नहीं समझा जा सकता है। कोई भी भाषा सीखने से ही आती है। संस्कृत के लिए इस महाविद्यालय में जो कार्य हो रहे हैं, वे काफी महत्व रखते हैं। अध्यक्ष डॉ. श्रीमती बघेल ने विश्वविद्यालयीन पाठ्यक्रम में संस्कृत को अनिवार्य माध्यम बनाये जाने के महत्व पर प्रकाश डाला। आपने छात्रों द्वारा किये गये शास्त्रार्थ की प्रशंसा की और उनसे साहित्यिक प्रश्न भी पूछे। विशिष्ट अतिथि डॉ. सुषमा तिवारी ने कहा कि संस्कृत हमारी संस्कृति की भाषा है।

रूझान कम होने से संस्कृत की उपेक्षा

विशेष अतिथि के रूप में आगे बंशीधर द्विवेदी ने अपने संबोधन में कहा कि संस्कृत कठिन भाषा नही है। इसके प्रति लोगों में रूझान कम होने के कारण इसकी उपेक्षा हो रही है। आपने आगे कहा कि इसको सीखे बिना संस्कृत ग्रंथों के मर्म को समझना कठिन है। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्राचार्य डॉ. आर एन सिंह ने बताया कि स्नातकोत्तर संस्कृत की परीक्षा में परीक्षा का माध्यम संस्कृत बनाने का उद्देश्य संस्कृत और संस्कृति के प्रति सचेत होना है। साथ ही रोजगारी भाषा के रूप में यह विदेशों तक अपना अस्तित्व कायम रखे हुए है। संस्कृत विभाग के अध्यक्ष डॉ. शंकरमुनि राय ने अपने साप्ताहिक प्रतिवेदन में बताया कि इस महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा सर्वेश्वर दास स्कूल तथा वेसलियन हिन्दी माध्यम स्कूल में एक-एक दिन का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। नगर में शोभा यात्रा सहित मानव मंदिर स्थित हनुमान मंदिर में सामूहिक पूजा कर छात्रों को पूजन विधि का प्रशिक्षण दिया गया। इसी प्रकार महाविद्यालय परिसर स्थित मंदिरों में पूजा अर्चना के बाद संस्कृत विषयक व्याख्यान का आयोजन किया गया था जिसमें छत्तीसगढ़ संस्कृत बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. गणेश कौशिक ने मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया था। समापन समारोह में छात्र नेमीचंद, दीपक एवं छात्रा सुभिया वर्मा और सीमा गायकवाड़ के शास्त्रार्थ तथा श्वेताम्बरी के मधुर संगीत तथा कुमार हर्ष के तबलावादन को अतिथियों सहित प्राध्यापकों और छात्र-छात्राओं ने काफी सराहा। पूरे कार्यक्रम का संचालन निरंजन ठाकुर द्वारा संस्कृत में ही किया गया।

संस्कृत साहित्य परिषद का गठन

राजनांदगांव

bureau@patrika.com

शा. दिग्विजय कॉलेज के संस्कृत विभाग में संस्कृत साहित्य परिषद का गठन प्रावीण्यता के आधार पर किया गया, जिसमें अध्यक्ष यदेश्वर लोधी, उपाध्यक्ष नेमीचंद वर्मा, सचिव भारती कंवर, सह-सचिव खिलेश्वरी साहू के साथ कार्यकारी सदस्यों का मनोनयन भी किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. शंकरमुनि राय, अतिथि व्याख्याता डॉ. बालकराम चौकसे, डालेश्वरी साहू, जनभागीदारी व्याख्याता, निरंजन ठाकुर उपस्थिति में परिषद का उद्घाटन किया गया व दायित्वबोध से अवगत कराया गया। साथ ही अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी ईमानदारी से करने कहा।

25/9/014 (पत्रिका)

सबेरा संकेत 27-11-2014

पालक सम्मेलन में संस्कृत की सराहना

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के संस्कृत विभाग में आयोजित अभिभावक सम्मेलन में अभिभावकों ने महाविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों की सराहना की। प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों से आये पालकों ने अपने अनुभव बताए।

स्नातकोत्तर स्तर पर संस्कृत माध्यम से अध्यापन की व्यवस्था की सराहना करते हुए पालकों ने विभागीय पंजी में इस संस्था के प्रति अपनी शुभकामनाएं भी दर्ज की। विद्यार्थियों के साथ में आई महिला पालकों ने भी प्राचार्य के साथ संवाद कर अपने सुझाव व्यक्त किये।

कार्यक्रम के प्रारंभ में विभाग की प्रभारी डॉ. शंकर मुनि राय ने पालकों का स्वागत कर संस्कृत विषय के अध्यापन संबंधी व्यवस्था एवं सुविधाओं की जानकारी दी।

डॉ. शंकर मुनि राय
प्रभारी संस्कृत विभाग
शासकीय दिग्विजय स्वशासी महाविद्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)
हस्ताक्षर, विभागाध्यक्ष